उत्तर प्रदेश सरकार
मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन
शारदीय नवरात्र, 2020 – बासन्तिक नवरात्र, 2021
दिव्य
दीपोत्सव
अयोध्या -2020
13 नवम्बर 2020, कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी, अयोध्या
संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

दीपोत्सव

॥ अयोध्या ॥

प्रेरणा से : **श्रीमती आनन्दीबेन पटेल**

मा0 राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

दीपोत्सव

॥ अयोध्या ॥

मुख्य आकर्षण

श्री राम जानकी
प्रतीकात्मक
राज्याभिषेक

सरयू आरती

5 लाख 51 हजार
दीपों का प्रज्ज्वलन

शोभा यात्रा

प्रोजेक्शन मैपिंग द्वारा
रामकथा का प्रस्तुतीकरण

आशीर्वाद से : **योगी आदित्यनाथ**

मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

संरक्षक : **डॉ. नीलकंठ तिवारी**

मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यटन, संस्कृति,
धर्मार्थ कार्य एवं प्रोटोकॉल, उत्तर प्रदेश

संस्कृति विभाग, उ0प्र0

संस्कृति विभाग, उ0प्र0 की स्थापना वर्ष 1959 में प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण संवर्द्धन करने के उद्देश्य से की गयी थी। वर्तमान में संस्कृति विभाग,उ0प्र0 के अन्तर्गत 03 निदेशालय यथा– संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0, उ0प्र0 पुरातत्व निदेशालय तथा उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ तथा 12 स्वायत्तशासी संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को सजाने एवं सँवारने में निरन्तर प्रत्यनशील है।

प्रदेश के विभिन्न सांस्कृति अंचलों ब्रज, बुन्देलखण्ड, पश्चिम, अवध एवं पूर्वांचल की विभिन्न विधाओं यथा–बम रसिया, मयूर नृत्य, चरकुला नृत्य, राई, पाईडंडा, आल्हा, नौटंकी, आदिवासी नृत्य, गुजरी, रागिनी, रामलीला, फरूवाई, बहरूपिया, कठपुतली, जादू, ढ़ेढ़िया नृत्य, धोबिया नृत्य, डोगकच नृत्य, चौलर नृत्य आदि विधाओं को विभाग द्वारा संरक्षित एवं संवर्द्धित करते हुए मंच प्रदान किया जाता है।

अवध की अयोध्या नगरी में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2017–18 से दीपावली के अवसर पर दीपोत्सव मेले का आयोजन किया जा रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में आयोजित दीपोत्सव मेले में संस्कृति विभाग द्वारा दिनांक 13 नवम्बर, 2020 को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उपर्युक्त अवसर पर प्रदेश के लगभग 600 कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ यथा रामलीला, शोभायात्रा, झाँकी एवं रामायण के अन्य प्रसंगों पर आधारित मंचन आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। अन्य आकर्षणों में विश्व महाकोष प्रदर्शनी का आयोजन एवं मिशन शक्ति को समर्पित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी।

'मिशन शक्ति' को समर्पित प्रस्तुतियाँ –

'दीपोत्सव–2020' अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस वर्ष राज्य सरकार द्वारा महिला शक्ति को 'मिशन शक्ति' के रूप में विशेष अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। इसी अनुक्रम में संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा दिनांक 13 नवम्बर, 2020 को मुख्य मंच पर कार्यक्रम प्रस्तावित किये गये हैं। रामजन्म भूमि 492 वर्ष बाद पूर्णतः मुक्त हुई है तथा नई ऊर्जा एवं नये उल्लास से शिलान्यास का कार्यक्रम किया गया तथा निर्माण का कार्य प्रारम्भ हुआ। इसी भाव को व्यक्त करते हुए लखनऊ की ओजस्वी कवियत्री सुश्री कविता तिवारी 'राम' एवं 'राम जन्मभूमि' को समर्पित स्वागत कविता का पाठ करेंगी।

कौशल्या माता का जन्म दक्षिण कोसल प्रदेश छत्तीसगढ़ में हुआ था। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के श्री सत्य सांई रामलीला मण्डली बेलोदी द्वारा केवल महिलाओं से अभिनीत रामलीला का मंचन किया जायेगा। बालोद की रामलीला मण्डली की यह विशेषता है कि सभी पात्र, गायक, अभिनेता, निर्देशक महिलाएं ही हैं। लगभग 10 वर्ष पूर्व प्राचीन रामलीला की परम्परा धीरे–धीरे समाप्त हो गयी थी तब वहाँ की महिलाओं ने रामलीला परम्परा को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया और एक ऐसी रामलीला मण्डली की स्थापना की जिसके संगीत से लेकर अभिनय, स्क्रिप्ट एवं निर्देशन सभी महिलाओं द्वारा किया गया। अयोध्या में इसी मण्डली द्वारा दिनांक 13 नवम्बर, 2020 को प्रस्तुति की जायेगी जिसमें राम और कौशल्या माता के सम्बंधों को प्राथमिकता से अभिनीत किया जायेगा। छत्तीसगढ़, दक्षिण कोसल की महिला कलाकारों द्वारा की गयी प्रस्तुति उत्तर प्रदेश के लिए भी प्रेरक बनेगी। आज जब हम मिशन शक्ति के रूप में प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित कर रहे हैं, ऐसी स्थिति में प्रदेश के महिलाएं भी ऐसी रामलीला मण्डलियां बनाने के लिए प्रेरित होंगी जिसके सभी पात्र, कलाकार महिलाएं होंगी।

उत्तर भारत में 'शबरी' का प्रसंग तुलसी के रामचरित मानस पर आधारित है। इसमें वनवास की अवधि में भगवान राम द्वारा शबरी आश्रम पहुँचने एवं शबरी द्वारा भावनावश झूठे बेर प्रस्तुत करना जिसे भगवान राम ने श्रृद्धापूर्वक ग्रहण किया परन्तु लक्ष्मण ने बेर को फेंक दिया जो संजीवनी बूटी बनी। परन्तु दक्षिण में कम्बन ऋषि द्वारा लिखित रामायण में बहुत मार्मिक प्रसंग विस्तार से लिखा गया है। शबर राजा की पुत्री शबरी को किशोरावस्था में पिता द्वारा जंगल भ्रमण कराया जाता है जहाँ खरगोश, मोर, हिरण, हाथी आदि जंगली पशु–पक्षियों के झुण्ड देखकर शबरी अत्यन्त प्रसन्न होती हैं। वह अपनी पिता से पूछती है कि आपने मुझे जंगल के इन पशु–पक्षियों को दिखाकर जो खुशी दिया है उसके लिए मैं आपकी आभारी हूँ। परन्तु आपने मुझे ये पशु–पक्षी आज क्यों दिखा रहे हैं, पिता ने कहा कि तुम्हारा विवाह निश्चित हो गया है अतएव जब बाराती आयेंगे तब उनके सम्मान में प्रातःकाल के जलपान में, दोपहर के भोजन में तथा रात्रिभोज में क्रमशः इन पशु–पक्षियों के सुस्वाद भोजन परोसे जायेंगे। इस बात को सुनकर शबरी अत्यन्त दुखी होती हैं तथा विवाह न करने का निर्णय लेती हैं। उसने पिता से कहा भी कि विवाह मेरा है तब ये पशु–पक्षियों की बलि क्यो की जा रही है? परन्तु बलात शबरी का विवाह कर दिया जाता है जहाँ विवाहोपरान्त उन्होंने अपने पति को त्याग दिया तथा पश्चाताप् करने गुरू की शरण में जाती हैं। वहाँ वह श्रीराम भक्त बन राम की प्रतीक्षा करती हैं। यही कारण था कि एक परित्यक स्त्री के घर राम स्वयं जाते हैं और श्रद्धापूर्वक झूठे बेर भी खाते हैं। इस प्रसंग पर आधारित लखनऊ की ऐशबाग रामलीला समिति द्वारा प्रस्तुत रामलीला भी दीपोत्सव का प्रमुख हिस्सा बनेगी।

रामलीला एवं रामायण संदर्भ व्यक्ति के जीवन और चरित्र के सभी संदर्भों से जुड़े हैं परन्तु इस वर्ष के दीपोत्सव की प्रस्तुति में जो प्रस्तुतियाँ प्रस्तावित की गयी हैं उनमें प्रदेश ही नहीं देश की सबसे ओजस्वी महिला कवियत्री जिसका प्रत्येक शब्द एक विशेष भावभंगिमा निर्मित करता है उसे अवसर दिया गया है और इसी के साथ केवल महिला कलाकारों द्वारा प्रस्तुत रामलीला प्रदेश की महिलाओं की एक विशेष संदेश भी देगी। अंत में 'शबरी प्रसंग' के अनछुये पहलू जिनका उत्तर, उत्तर भारत की रामायण नहीं देती, जो कम्बन रामायण में भली– भाँति मंचित है, इसे प्रस्तुत किया जायेगा।

'रामायण विश्वमहाकोश'–प्रदर्शनी–

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा दिनांक 30 मई, 2018 को अयोध्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, उ0प्र0 की समीक्षा बैठक करते हुए यह निर्देश प्रदान किये गये थे कि विश्व के उन समस्त स्थलों, कलाओं, ग्रन्थों का संकलन किया जाये जो राम एवं रामायण से सम्बंधित हो। इसी निर्देश का पालन करते हुए अयोध्या शोध संस्थान ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार तथा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'रामायण विश्वमहाकोश' की एक बड़ी योजना संचालित की। इस योजना में विदेश मंत्रालय ने विश्व के सभी 205 देशों में पत्र लिखकर मूर्त एवं अमूर्त विरासतों में रामायण संस्कृति की जानकारी एकत्रित किये जाने का निर्देश जारी किया। अब तक 60 से अधिक देशों के सम्पर्क सूत्र प्राप्त हो चुके हैं तथा उन देशों में रामायण, रामलीला, राम मंदिर एवं हनुमान मंदिर आदि की जानकारियाँ मिल रही हैं। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने नेशनल प्रेजेन्स योजना के अन्तर्गत संस्थान को सहयोग प्रदान किया है जिसमें विदेश में रामलीला का संकलन कार्य किया जा रहा है।

देश में लगभग 90 वेबिनार तथा विदेश के लगभग 40 वेबिनार में 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, विद्वान, रामायण विशेषज्ञ सम्मिलित हुए हैं। यद्यपि 'इनसायक्लोपीडिया आफ रामायण' के प्राप्त जानकारी अत्यन्त विशद है परन्तु संक्षेप में एक प्रदर्शनी के रूप में इन समस्त जानकारियों को प्रदर्शित किया जायेगा। इनमें पाकिस्तान के गांधार क्षेत्र में 2500 ई0पू0 का राम तख्त आपको रोमांचित करेगा। गांधार क्षेत्र गंधर्व राज्य से सम्बंधित था जहाँ रामायणकालीन अनेक पुरातात्विक अवशेष उपलब्ध थे जो वर्तमान में विनष्ट हो चुके हैं। गांव एवं स्थानों के नाम भी परिवर्तित कर दिये गये हैं। सीता गांव तथा राम गांव इसी राम तख्त के समीप था। तक्षशिला का नाम भरत के बड़े पुत्र तक्ष से तथा पुष्कल का नाम भरत के दूसरे पुत्र से है। यह जानकारी भी आपको रोमांचित करेगी।

इटली में रोमन सभ्यता से पूर्व एट्रक्शन सभ्यता विद्यमान थी जिसकी संस्कृति, रामायण संस्कृति से मिलती–जुलती है। रामायण संस्कृति का इटली में प्रभाव भी इनसायक्लोपीडिया की एक रोचक जानकारी है। यूक्रेन में रामायण के बड़े–बड़े मुखौटे प्राप्त होते हैं जिसे भी प्रदर्शित किया जायेगा। रूस का समस्त भू–भाग कैकेई और नारद से सम्बंधित है। यहाँ राम और सीता नदी भी प्राप्त होती है। इसी प्रकार मध्य अमेरिका होण्डुरास में आदिवासी जाति का नाम भी राम जाति है। कश्मीर से लेकर तिब्बत, मंगोलिया और रूस तक बौद्ध मठों के समानान्तर रामायण संस्कृति का विकास हुआ जिसके साक्ष्य 500 वर्षो से प्राप्त होने लगते हैं।

मध्य–पूर्व एशिया, ईरान, इराक के कुर्द क्षेत्र में रामायण संस्कृति का विस्तार मिलता है। कैरेबियन देशों के साथ यूरोप और अमेरिका के ऐसे अनेक अनसुलझे साक्ष्य प्रदर्शनी में प्रदर्शित किये जायेंगे जिनसे उन्हें गर्व होगा।

देश के कई प्रदेशों में मूर्त एवं अमूर्त विरासतों में महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त हुई हैं। बंगाल में कृषि भूमि को सीता कहा जाता है तथा अनाज रखने के स्थान को राम बखार। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर सभी जिलों में राम मंदिरों तथा अन्य स्थानों में रामायण पाठ तथा दीपदान का कार्य किया गया। प्रदेश के समस्त जनपदों से जो जानकारियां प्राप्त हुई हैं वह अत्यन्त रोचक हैं। प्रथम दृष्टया लगभग 1200 राम मंदिरों का विवरण प्राप्त हुआ है। इसे विकास खण्ड स्तर पर विस्तारित करने पर 25000 से अधिक राम मंदिर एवं हनुमान मंदिर केवल उत्तर प्रदेश में हैं। इन जानकारियों को भी इनसायक्लोपीडिया में सम्मिलित कर प्रदर्शनी का हिस्सा बनाया जायेगा।

सनातन संस्कृति की विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति है। यह अयोध्या शोध संस्थान द्वारा विदेश मंत्रालय तथा संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से प्रमाणिक एवं साक्ष्य के रूप में भी प्रस्तुत किया जायेगा। प्रदर्शनी में वेबिनार में प्रदर्शित किये गये शोध प्रपत्रों के फोटो के साथ–साथ विद्वानों के फोटो भी प्रदर्शित किये जायेंगे। जापान के 80 वर्षीय हिन्दी प्रोफेसर द्वारा रामानन्द सागर की रामायण के समस्त संवाद को दो खण्डों में हिन्दी में प्रकाशित किया है तथा इसी प्रकाशन कार्य के आधार पर जापान में हिन्दी का पाठ्यक्रम भी संचालित है। यह सब जानकारियाँ इनसायक्लोपीडिया की प्रदर्शनी में अवलोकित करने का अवसर मिलेगा।

13 नवम्बर, 2020 को शोभा यात्रा
साकेत डिग्री कालेज से रामकथा पार्क तक

11 रथों पर 11 प्रसंगों पर आधारित रामलीला कलाकारों एवं लोक कलाकारों के द्वारा शोभा यात्रा की जायेगी, जिसमें 600 कलाकारों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।

शोभा यात्रा के कलाकारों की सूची

लोक कलाकार

Ø-l-	dykdkj @ ny fooj.k	fo/kk dk uke
1.	श्री बंटी 'राना', पीलीभीत	आदिवासी नृत्य
2.	श्री उमेश कनौजिया, आजमगढ़	धोबिया नृत्य
3.	श्री मुकेश कुमार, अयोध्या	फरुवाही नृत्य
4.	श्री विजय यादव, फैजाबाद	फरुवाही नृत्य
5.	श्री महिपाल सिंह, मथुरा	बमरसिया
6.	श्री खजान सिंह, मथुरा	बमरसिया
7.	सुश्री सुधा पाण्डेय, ललितपुर	राई
8.	सुश्री दीपशिखा, प्रयागराज	ढेंढिया नृत्य
9.	सुश्री बीना सिंह, प्रयागराज	ढेंढिया नृत्य
10.	श्री रमेश पाल, बाँदा	पाई डंडा
11.	श्री लखन लाल यादव, महोबा	पाई डंडा
12.	श्री संजय सिंह, मथुरा	मयूर नृत्य
13.	श्री मुरारी लाल तिवारी, मथुरा	मयूर नृत्य
14.	श्री महन्त कुमार, कौशाम्बी	मसकबीन
15.	श्री धर्मेन्द्र कुमार, कौशाम्बी	मसकबीन
16.	श्री पुष्पेन्द्र कुमार, अयोध्या	बहुरूपिया
17.	सुश्री संगीता आहूजा, अयोध्या	लोक नृत्य
18.	श्री निशान्त भदौरिया, झांसी	राई नृत्य
19.	सुश्री आराधना गौतम, अयोध्या	अवधी लोकनृत्य
20.	श्री बृजेश कुमार पाण्डेय, सुल्तानपुर	अवधी लोकनृत्य

शोभा यात्रा के कलाकारों की सूची

रामलीला दल

Ø-l-	dykdkj @ ny fooj.k	fo/kk dk uke
1.	श्री ठाकुर रामचन्द्र, अयोध्या	गुरूकुल शिक्षा
2.	महन्त मनीष दास, अयोध्या	केवट प्रसंग
3.	श्री सुरेन्द्र प्रसाद पाठक, अयोध्या	पंचवटी
4.	श्री महावीर शरण, अयोध्या	अहिल्या उद्धार
5.	श्री नरेन्द्र कुमार तिवारी, अयोध्या	राम सीता विवाह
6.	श्री सत्य नारायण मिश्र, अयोध्या	सेतुबंध रामेश्वरम स्थापना
7.	श्री विश्राम पाण्डेय, अयोध्या	पुष्पक विमान
8.	श्री जोखन शुक्ला, अयोध्या	राम दरबार/राज्याभिषेक
9.	श्री शत्रुहन सिंह, अयोध्या	शबरी राम मिलाप
10.	श्री मुनि कुमार, अयोध्या	लंका दहन
11.	श्री गणेश झा, अयोध्या	पुत्रेष्ठि यज्ञ

राम की पैड़ी पर दीप प्रज्ज्वलन के समय मंत्रोच्चार एवं शंख वादन कार्यक्रम

मुख्य मंच की प्रस्तुतियाँ

स्थान : रामकथा पार्क, अयोध्या
समय : सांय 8:00 बजे

सुश्री कविता तिवारी, लखनऊ
द्वारा
श्री राम पर आधारित काव्य पाठ

श्री सत्यसांई रामलीला मण्डली द्वारा रामायण प्रस्तुति, बेलौदी, छत्तीसगढ़
(केवल महिला कलाकारों द्वारा मंचित रामलीला प्रस्तुति)

श्रीराम लीला समिति, शबरी प्रसंग, ऐशबाग लखनऊ

अन्य मुख्य आकर्षण

स्थान : रामकथा पार्क, अयोध्या

1– रामायण विश्व यात्रा के विभिन्न देशों से प्राप्त चित्रों का गैलरी के रूप में प्रदर्शन

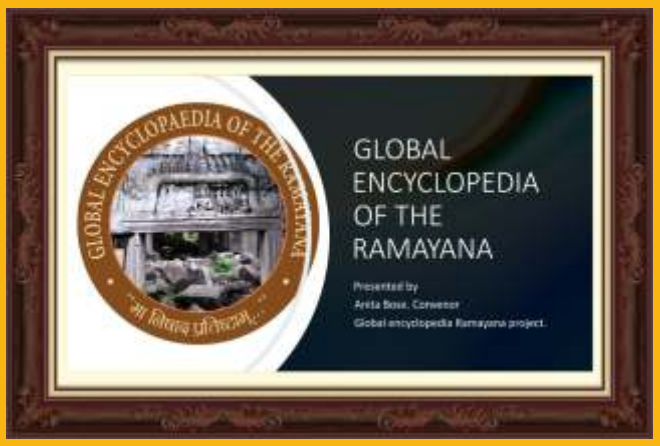

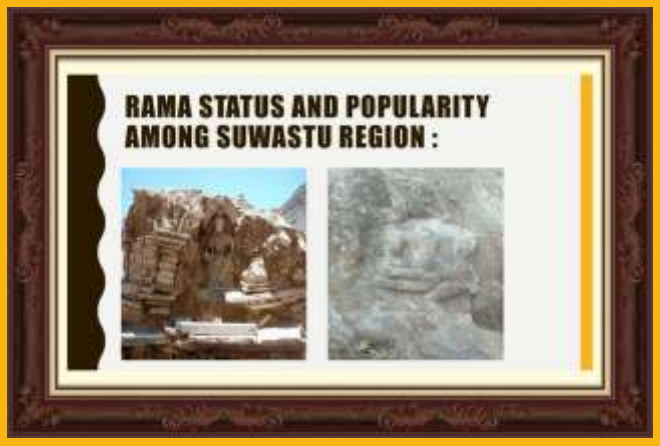

2– उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ द्वारा जन–जन के राम विषयक म्यूरल प्रदर्शन

रामो विग्रहवान् धर्मः।

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश